भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4867

उत्तर देने की तारीख 23.03.2026

अभिलेख पटल पोर्टल पर डिजिटलीकृत अभिलेखों तक पहुंच

4867. श्रीमती हिमाद्री सिंह :
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ :
डॉ. राजेश मिश्रा :
श्री महेश कश्यप :
श्री मुकेश राजपूत :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) के अंतर्गत अभिलेखागार संबंधी अभिलेखों के डिजिटलीकरण की वर्तमान स्थिति क्या है और अभिलेख पटल पोर्टल के माध्यम से कितने अभिलेखों को सुलभ बनाया गया है;

(ख) वर्तमान में ऑनलाइन उपलब्ध संग्रहों की श्रेणियां क्या हैं जिनमें संदर्भ मीडिया और डिजिटलीकृत दस्तावेज शामिल हैं और पिछले तीन वर्षों के दौरान इसमें कितनी वृद्धि की गई है;

(ग) क्या प्रयोक्ता की पहुंच, मेटाडाटा मानकीकरण और शैक्षिक अथवा अनुसंधान संस्थाओं के साथ एकीकरण को बढ़ाने के लिए कोई पहल की गई हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) ने ऐतिहासिक रूप से अमूल्य दस्तावेजों के संरक्षण और शोधकर्ताओं एवं आम जनता के लिए अभिलेखीय संसाधनों तक पहुंच को बढ़ाने के उद्देश्य से अभिलेखीय रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण का एक चरणबद्ध कार्यक्रम शुरू किया है।

अभिलेख पटल पोर्टल पर वर्तमान में लगभग निम्नलिखित डेटा उपलब्ध है:

i. 74,03,109 संदर्भ मीडिया रिकॉर्ड
ii. 40,09,504 डिजिटलीकृत फाइलें
iii. 18,98,20,637 डिजिटलीकृत पृष्ठ

(ख): अभिलेख पटल पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध अभिलेखीय संग्रह में राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) द्वारा संरक्षित ऐतिहासिक रिकॉर्ड की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इनमें शामिल हैं:

i. भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा सौंपे गए सार्वजनिक रिकॉर्ड

ii. प्रख्यात हस्तियों के निजी पत्र

iii. अभिलेखीय संदर्भ मीडिया जैसे कि फोटोग्राफ, मानचित्र, माइक्रोफिल्म और दुर्लभ दस्तावेज

iv. एनएआई द्वारा अनुरक्षित डिजिटलीकृत ऐतिहासिक सरकारी फाइलें और अभिलेखीय संग्रह

विगत तीन वर्षों के दौरान, डिजिटल अभिलेखीय रिपॉजिटरी को सुदृढ़ करने और विस्तार करने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। इन प्रयासों में शामिल हैं:

i. अभिलेखीय फाइलों और ऐतिहासिक रिकॉर्ड का बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण
ii. डिजिटल रिपॉजिटरी में प्राप्त नई अभिलेखीय सामग्री का एकीकरण
iii. अभिलेखीय मेटाडेटा और कैटलॉग विवरण का सृजन और सुधार
iv. पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध डिजिटलीकृत संदर्भ मीडिया संग्रह का विस्तार

(ग) और (घ): उपयोगकर्ता की पहुंच बढ़ाने और अभिलेखीय मेटाडेटा के प्रबंधन एवं मानकीकरण में सुधार के लिए राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा कई पहल की गई हैं। इन पहलों में शामिल हैं:

i. अभिलेख पटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक व्यापक ऑनलाइन अभिलेखीय सूचना प्रबंधन प्रणाली का विकास
ii. मानकीकृत अभिलेखीय मेटाडेटा ढांचे और कैटलॉगिंग पद्धतियों का कार्यान्वयन
iii. अभिलेखीय रिकॉर्ड की कुशल खोज के लिए उन्नत सर्च और पुनर्प्राप्ति सुविधाओं का प्रावधान
iv. ऑनलाइन उपयोगकर्ता पंजीकरण और रिमोट एक्सेस की सुविधाओं से शोधकर्ताओं और विद्वानों की अभिलेखीय जानकारी तक डिजिटल रूप से पहुंच सुकर होना
v. अभी तक डिजिटलीकृत नहीं की गई अभिलेखीय सामग्री तक पहुंच को सरल बनाने के लिए 'डिजिटाइज-ऑन-डिमांड' (डीओडी) और पेज-ऑन-डिमांड (पीओडी) जैसी सेवाओं की शुरुआत।

*****